

भारतीय नौसेना के जहाजों ने समुद्री साझेदारी को मज़बूत किया

स्रोत: पी.आई.बी.

भारतीय नौसेना के जहाज़ दलिली, शक्ति और कलिटन ने हाल ही में **दक्षिण चीन सागर** में भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े की पर्यायन तैनाती के हस्से के रूप में सगिपुर का दौरा किया।

- इस यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय जुड़ाव और आपसी हतियों और सहयोग पर चर्चा करना, क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ाने की प्रतबिद्धता पर बल देना है।
- मझगाँव डॉक शपिबलिडर्स द्वारा नरिमति आईएनएस दलिली, भारतीय नौसेना का पहला स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और नरिमति नरिदेशति मसिाइल वधिवंसक है।
 - 1997 में शामिल किया गया यह सतह, वायु और पानी के नीचे डोमेन पर समुद्री संचालन के सभी पहलुओं पर कार्य करने में सक्षम है।
- INS शक्ति, अपने पूर्ववर्ती INS दीपक बेड़े के टैंकर के साथ, एक इतालवी जहाज़ नरिमाण कंपनी फनिकैटएरि द्वारा नरिमति, अपनी श्रेणी का दूसरा और अंतिम जहाज़ है।
 - यह समुद्र में अन्य नौसैनिक जहाजों को ईंधन, गोला-बारूद और प्रावधानों से भरने में सक्षम है।
- INS कलिटन एक स्वदेशी पनडुबबी रोधी युद्धक स्टीलथ कार्वेट है जिसे भारतीय नौसेना में शामिल किया गया है।
 - यह प्रोजेक्ट 28 के तहत नरिमति चार कामोर्टा श्रेणी के कार्वेट में से तीसरा है। इसे भारतीय नौसेना डिज़ाइन नदिशालय द्वारा नरिमति किया गया है और कोलकाता में गार्डन रीच शपिबलिडर्स एंड इंजीनयिर्स (GRSE) द्वारा नरिमति किया गया है।
 - इसका नाम लक्षद्वीप और मनिक्विय समूह के एक द्वीप के नाम पर रखा गया है। इसी नाम के पूर्ववर्ती पेटया श्रेणी के जहाज़ कलिटन (पी79) की वरिसत जारी है, जिसे 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिआई थी।

और पढ़ें: [भारतीय नौसेना दविस 2023](#)